

## Padma Bhushan



### SHRI TARUN GOGOI (POSTHUMOUS)

Shri Tarun Gogoi was a veteran politician. He started his political career as Member of the Municipal Board at district Jorhat, Assam in 1968. He was elected as a Member of Parliament, Lok Sabha in 1971. He served as the Union Minister of State in the Ministry of Food and Ministry of Food Processing Industries in 1991 and 1996. He was elected as a Member of Parliament in the Fifth, Sixth, Seventh, Tenth, Twelfth and Thirteenth Lok Sabha. He is also the longest serving Chief Minister of the Assam. Credited with bringing peace to a state steeped in militant insurgency, he served as the Chief Minister from 2001-2016.

2. Born on 1<sup>st</sup> April, 1936, Shri Gogoi received his Bachelor in Law from Guwahati University. He was a member of the Bar Council, Assam. He was elected as a Member of the Assam Legislative Assembly from 1996-1998. He served as Chief Minister of Assam from 2001-2016, winning three consecutive elections and establishing himself as the longest serving Chief Minister of the state. He is remembered as the architect of modern Assam and his tenure as the Chief Minister is noted for bringing peace to a militant insurgent state, while also revamping the fiscal state of affairs for Assam. He inherited a state ridden with insurgency and disorder only to make Assam a lawful and rapidly developing state.

3. Shri Gogoi was hailed as a people's leader. A powerful proponent of women empowerment and economic development, he led the state out of a fiscal crisis towards economic and social development. In a state with abysmal finances, the government authorities remained underpaid. Shri Gogoi is credited with changing the fiscal shape of the state. With regular salaries being paid and sizeable development in the rural economy, he was pivotal in transforming all sectors in Assam. He believed that rural development would be functional in eradicating poverty and therefore, took active steps to promote self-help groups, skill development and employment of women & youth in rural areas.

4. Diversifying areas of development, Shri Gogoi was central in hosting the 12th South Asian Games in 2016. Developing infrastructure competent to host 4500 participants, the state's sports infrastructure is credited to Shri Gogoi's leadership and vision. An ardent supporter of the Assamese culture and identity, he could be heard asserting his commitment to serve the people of Assam, irrespective of their religion or caste until his last breath.

5. Shri Gogoi has received various awards and honours. He was awarded the Universal Smile Award by Operation Smile for his vision and dedication to establish Assam as the first cleft-free state in India by eradicating facial deformities. Under his able leadership, Assam was adjudged the 'Best Infrastructure Development State' in 2015 by India Today group for its development of pucca road. Assam was also awarded the 2015-16 Krishi Karman Award for exemplary success in mustard farming. Shri Tarun Gogoi was also recognised and felicitated with three awards for development of agricultural development by Government of India.

6. Shri Gogoi passed away on 23<sup>rd</sup> November, 2020.



### श्री तरुण गोगोई (मरणोपरांत)

श्री तरुण गोगोई एक अनुभवी राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने 1968 में असम के जिला जोरहाट के नगरपालिका बोर्ड के सदस्य के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। उन्हें 1971 में, लोक सभा सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया। उन्होंने 1991 और 1996 में खाद्य मंत्रालय और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। उन्हें पांचवीं, छठी, सातवीं, दसवीं, बारहवीं और तेरहवीं लोक सभा के लिए संसद सदस्य के रूप में चुना गया था। वह 2001–2016 तक असम के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री भी रहे हैं। उन्हें उग्रवाद में जकड़े हुए राज्य में शांति स्थापित करने का श्रेय जाता है।

2. 1 अप्रैल, 1936 को जन्मे, श्री गोगोई ने गुवाहाटी विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। वह बार काउंसिल, असम के सदस्य थे। उन्हें 1996 से 1998 तक असम विधानसभा का सदस्य चुना गया। उन्होंने 2001–2016 तक असम के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया, लगातार तीन चुनाव जीते और राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री बने। उन्हें आधुनिक असम के निर्माता के रूप में याद किया जाता है और मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल को उग्रवाद से पीड़ित राज्य में शांति कायम करने और असम की राजकोषीय स्थिति को सुधारने के लिए भी जाना जाता है। उन्हें विरासत में विद्रोह और अव्यवस्था से पीड़ित राज्य मिला था परंतु उन्होंने इसे विधिसम्मत और तेजी से विकास करने वाला राज्य बना दिया।

3. श्री गोगोई को जन नेता माना जाता था। महिला सशक्तीकरण और आर्थिक विकास के एक शक्तिशाली समर्थक के रूप में, उन्होंने राज्य को राजकोषीय संकट से बाहर निकाला तथा इसे आर्थिक और सामाजिक विकास की दिशा में अग्रसर किया। राज्य की वित्तीय हालत शोचनीय थी और सरकारी अधिकारियों को पूरा वेतन नहीं मिल पाता था। श्री गोगोई को राज्य की राजकोषीय स्थिति को बदलने का श्रेय दिया जाता है। उनके कार्यकाल में नियमित रूप से वेतन दिया जाने लगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का भरपूर विकास हुआ। उन्होंने असम के सभी क्षेत्रों की कायापलट करने में प्रमुख भूमिका निभाई। उनका मानना था कि गरीबी मिटाने से ही ग्रामीण विकास होगा। इसलिए, उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और युवाओं के स्वयं सहायता समूह, कौशल विकास और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय कदम उठाए।

4. विकास के क्षेत्रों को विविध बनाते हुए, श्री गोगोई ने 2016 में 12 वें दक्षिण एशियाई खेलों की मेजबानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 4500 प्रतिभागियों की मेजबानी के लिए खेलों के बुनियादी ढाँचे का विकास करने का श्रेय श्री गोगोई के नेतृत्व और दूरदर्शिता को दिया जाता है। वह असमिया संस्कृति और अस्मिता के दृढ़ समर्थक थे। वह अपनी अंतिम सांस तक, असम के सभी धर्म और जाति के लोगों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध थे।

5. श्री गोगोई को अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। चेहरे की विकृति को मिटाकर असम को भारत का पहला क्लीपट—मुक्त राज्य बनाने की उनकी संकल्पना और समर्पण के लिए ऑपरेशन स्माइल द्वारा उन्हें यूनिवर्सल स्माइल अवार्ड से सम्मानित किया गया। उनके सुयोग्य नेतृत्व के दौरान, असम को 2015 में इंडिया टुडे समूह द्वारा पक्की सड़क के निर्माण के लिए 'बेस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्टेट' घोषित किया गया था। असम को सरसों की खेती में शानदार सफलता के लिए 2015–16 के कृषि कर्मण पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। श्री तरुण गोगोई को भारत सरकार द्वारा कृषि विकास के लिए तीन पुरस्कार प्रदान करके सम्मानित किया गया।

6. श्री गोगोई का 23 नवम्बर, 2020 को देहावसान हो गया।